गेल के सर्वोच्च आईपीएल व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड तोड़ना चाहते हैं सूर्यवंशी

नयी दिल्ली। 15 मार्च को दिल्ली में बीसीसीआई के वार्षिक अवॉर्ड समारोह में हर्षा भोगले से बात करने के दौरान वैभव सूर्यवंशी इस बात को लेकर निश्चित थे कि वह क्रिस गेल के 175 रन के उस रिकॉर्ड को तोड़ना चाहते हैं जो उन्होंने 2013 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खेलते हुए पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ बनाया था। गेल ने 66 गेंदों पर 175 रनों की पारी खेली थी जो कि पुरुष टी20 में अभी तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। 2018 में हरारे में जम्बिाब्वे के खिलाफ आरोन फंचि द्वारा बनाए गए 172 रन इस सूची में दूसरे स्थान पर है।

सूर्यवंशी ने खुद भी 2025 के अंतिम दिनों में एशिया कप राइजगिं स्टार्स टूर्नामेंट में यूएई के खिलाफ खेलते हुए इंडिया ए के लिए 144 का अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया थे। जो कि उनके द्वारा खेली गई अब तक 18 टी20 पारियों में तीसरा शतक था। आईपीएल के इतिहास में उनके नाम दूसरा सबसे तेज शतक भी है, जो उन्होंने आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के लिए खेलते हुए गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ 35 गेंदों में जड़ा था। यह दूसरा सबसे तेज शतक है क्योंकि गेल ने अपनी 175 रनों की पारी में शतक मात्र 30 गेंदों पर जड़ दिया था।

सूर्यवंशी अभी 15 वर्ष के भी नहीं हुए हैं लेकिन अपने अब तक के छोटे से करियर में ही उन्होंने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है और वह आईपीएल 2026 से पहले आरआर द्वारा रिटेन किए गए खिलाड़ियों में से भी एक थे।

अवॉर्ड समारोह के दौरान उन्होंने कहा, आईपीएल 2026 के लिए सबसे बड़ा लक्ष्य तो टीम के लिए ट्रॉफ़ी जीतना है क्योंकि यह सबसे ज़रूरी चीज है। क्योंकि अगर टीम ट्रॉफ़ी जीतती है तो इसका मतलब होगा कि मैंने अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम को इसका फ़ायदा मिलेगा। तो यही लक्ष्य है- अपनी टीम को जीत दिलाने में अपना योगदान देना और ट्रॉफ़ी जीतना।

वुशूः आत्मरक्षा, फुर्ती और संतुलन का खेल, आदिमानवों ने भी किया इस कला का इस्तेमाल

नई दिल्ली। चीनी मार्शल आर्ट वुशू आत्मरक्षा, फुर्ती और संतुलन का खेल है, जो शारीरिक क्षमता, अनुशासन और मानसिक एकाग्रता को बढ़ाने में मदद करता है। वु का अर्थ सैन्य या मार्शल युद्ध है, जबकि शू का मतलब कला है। वुशू उन मार्शल आर्ट अभ्यासों के लिए एक सामूहिक शब्द है जिनकी शुरुआत और विकास चीन में हुआ। यह कला चीनी मार्शल आर्ट की संस्कृति और छवि को दर्शाती है।

माना जाता है कि वुशू की जड़ें 3000–1200 ईसा पूर्व से जुड़ी हैं। उस समय आदिमानव खुद की रक्षा के लिए इस तकनीक का प्रयोग करते थे। मध्यकालीन युग में इसे वी यू के रूप में जाना गया। 1626–1644 के दौरान कविताओं में वुशू शब्द का उल्लेख भी मिलता है।

साल 1928 में नानजिंग (चीन) में नेशनल मार्शल आर्ट एकेडमी की स्थापना हुई, जिसमें इस खेल को बढ़ावा मिला। इसके बाद 1950 के दशक में चीनी सरकार ने इसे एक पारंपरिक खेल के रूप में मान्यता दी। साल 1990 में इंटरनेशनल वुशू फेडरेशन (आईडब्ल्यूयूएफ) का गठन हुआ। अगले ही साल बीजिंग में पहली वर्ल्ड चैंपियनशिप आयोजित की गई।

स्पोर्ट वुशू को दो मुख्य श्रेणियों ताओलू और सांडा में वर्गीकृत किया गया है।

वुशु के सेट रूटीन (फॉर्म) अभ्यास वाले हिस्से को ताओलू कहते हैं। इसके रूटीन में पहले से तय तकनीकों का एक सेट होता है, जिसमें हमले और बचाव की शैली प्रस्तुत की जाती है। इनमें हाथ की तकनीकें, पैर की तकनीकें, कूदना, खड़े होने के तरीके और पैरों की चाल के साथ पकड़ना, फेंकना, कुश्ती और संतुलन शामिल हैं।

वहीं, सांडा में बगैर किसी हथियार के प्रदर्शन किया जाता है। यह पारंपरिक वुशु तकनीकों से विकसित हुआ है, जिसमें मुक्के मारना, लात मारना, फेंकना, कुश्ती और बचाव की तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है।

यह मुकाबले एक ऊंचे मंच पर होते हैं, जिसे लेताई कहा जाता है। लेताई की ऊंचाई 80 सेंटीमीटर और चौड़ाई 8 मीटर और लंबाई 8 मीटर होती है। इस मंच पर हाई-डेंसिटी फोम लगा होता है, जिसे कैनवास से ढका जाता है। मंच के चारों ओर जमीन पर एक सुरक्षात्मक कुशन होता है। खिलाड़ी मुकाबले के समय सुरक्षात्मक गियर पहनते हैं, जिसमें हेडगार्ड, चेस्ट प्रोटेक्टर और दस्ताने, साथ ही माउथगार्ड और जॉकस्ट्रैप शामिल होते हैं। मुकाबले में कुल 3 राउंड होते हैं। हर राउंड दो मिनट का होता है। प्रत्येक दो राउंड के बीच एक मिनट का ब्रेक मिलता है। विजेता का फैसला तब होता है, जब कोई खिलाड़ी 2 राउंड जीत ले, या उसका विरोधी नॉकआउट हो जाए।

जमशेदपुर में एनआरएआई नेशनल कोचेज कोर्स की शुरुआत, 33 कोच ले रहे हैं भाग

जमशेदपुर। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने आज होटल अल्कोर में एनआरएआई नेशनल कोचेज कोर्स का उद्घाटन किया। यह झारखंड में शूटिंग खेलों के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। वर्ष 2000 में राज्य के गठन के बाद पहली बार झारखंड में इस तरह का कोर्स आयोजित किया जा रहा है, जिससे महत्वाकांक्षी कोचों को उच्च स्तर का प्रशिक्षण मिलेगा और जमीनी स्तर पर खेल के विकास को गति मिलेगी।

इस सात दिवसीय गहन कार्यक्रम में पांच राज्यों झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और छत्तीसगढ़ से

कुल 33 कोच भाग ले रहे हैं। राइफल और पिस्टल शूटिंग में कोचिंग को नए स्तर पर ले जाने के उद्देश्य से तैयार इस कोर्स में प्रतिभागियों को तकनीकी प्रशिक्षण, खेल विज्ञान और संचार कौशल से जुड़े एनआरएआई प्रमाणित मॉड्यूल्स के जरिए प्रशिक्षित किया जाएगा। एनआरएआई के विशेषज्ञ फैकल्टी के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को युवा प्रतिभाओं की पहचान और उन्हें निखारने के लिए जरूरी उपकरण और पद्धतियां मिलेंगी, जिससे भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर और बेहतर सफलता के लिए तैयार किया जा सके।

एनआरएआई के महासचिव पवनकुमार सिंह ने झारखंड स्टेट राइफल एसोसिएशन (जेएसआरए) के अध्यक्ष

दिवाकर सिंह और पूरी राज्य राइफल एसोसिएशन को इस प्रतिष्ठित कोर्स के आयोजन के लिए बधाई दी। उद्घाटन समारोह में उन्होंने कहा, दिवाकर सिंह के सक्रिय प्रयासों ने झारखंड में शूटिंग के विकास के लिए

नए अवसर खोले हैं। यह पहल जमीनी स्तर के इकोसिस्टम को मजबूत करेगी और विश्वस्तरीय कोच तैयार करेगी। उन्होंने कोर्स को प्रतिभागियों के लिए निशुल्क आयोजित कराने में ओजीक्यू के सहयोग के लिए भी

आईपीएल 2026: मुंबई इंडियंस ने शुरू किया अभ्यास, 29 मार्च को होना है पहला मुकाबला

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2026 की तैयारी शुरु कर दी है। मुख्य कोच महेला जयवर्धने की देखरेख में टीम ने पहला सीजन का पहला ट्रेनिंग सेशन पूरा किया। जयवर्धने ने गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे, लसिथ मलिंगा और फील्डिंग कोच कार्ल हॉपकिंसन के साथ अभ्यास सत्र को संचालित किया। टीम के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग और फिजियोथेरेपी स्टाफ भी मौजूद थे।

जयवर्धने ने कहा, प्री-सीजन के पहले दिन हमेशा कुछ खास होता है। आप देखते हैं कि खिलाड़ी अंदर आते हैं, एनर्जी बनती है। मकसद मजबूत शुरुआत करना होता है। हमारे पास ऐसे लड़के हैं जो इस फ्रेंचाइजी को बेहतर तरीके से जानते हैं। कुछ नए चेहरे भी आए हैं। पहला दिन पूरे कैंपेन का माहौल तय करता है। हम चाहते थे कि हर कोई पहले सेशन से ही यह महसूस करे कि हम कैसे ट्रेनिंग करते हैं, कैसे तैयारी करते हैं, और हम एक-दूसरे के लिए कैसे पेश आते हैं।

उन्होंने कहा, ओपनिंग सेशन टूर्नामेंट से पहले सीरियस काम की शुरुआत है। पहला सेशन हमेशा रोमांचक होता है, लेकिन यह गंभीरता की शुरुआत भी है। हम जानते हैं कि हम किस ओर बढ़ रहे हैं। सेशन निर्धारित शेड्यूल के मुताबिक हुआ। स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग स्टाफ ने खिलाड़ियों को मूवमेंट ड्रिल, एजिलिटी रूटीन और फिटनेस असेसमेंट से गुजारा ताकि मुश्किल सीजन से पहले उनकी तैयारी का अंदाजा लगाया जा सके। नए आईपीएल कैंपेन से पहले तैयारियों के तेज होने के साथ ही आने वाले दिनों में बाकी टीम के कैंप में शामिल होने की उम्मीद है।

मुंबई इंडियस ने अपने सोशल मीडिया पेज पर ट्रेनिंग सेशन की कुछ झलकियां साझा की हैं। सेशन में शामिल होने वाले खिलाड़ियों में शार्दुल ठाकुर, मयंक मारकंडे, अल्लाह गजनफर, नमन धीर, राजा अंगद बावा, रॉबिन मिंज, शर्मा, मयंक रावत, मालेवार, मोहम्मद इजहार और अश्विनी कुमार शामिल रहे।

पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस आईपीएल 2026 का पहला मुकाबला 29 मार्च को अपने होम ग्राउंड वानखेड़े स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेलेगी।

भारतीय खेलों के भविष्य के लिए लंबी अवधि की योजना जरूरीः जय शाह

नयी दिल्ली। भारत के खेलों के भविष्य को मजबूत बनाने के लिए लंबी अवधि की योजना बनाना आवश्यक है, ऐसा आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने रविवार को कहा। उन्होंने स्टेकहोल्डर्स से 2030–2036 के ग्लोबल स्पोर्टिंग इवेंट्स की तैयारी अभी से शुरू करने की अपील की और फ़ेडरेशन, कॉर्पोरेट्स, एथलीट्स और मीडिया के बीच सहयोग की अहमियत पर ज़ोर दिया। शाह इंडिया हैबिटेट सेंटर में स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स फ़ेडरेशन ऑफ़ इंडिया (एसजेएफआई) के नेशनल कन्वेंशन के ग्रैंड स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स, 2032 ब्रिस्बेन ओलंपिक्स और 2036 ओलंपिक्स के लिए तैयारी अभी से शुरू करनी होगी। अगर भारत अपनी ग्लोबल स्पोर्टिंग पहचान बनाना चाहता है, तो इसकी योजना पहले से बनानी होगी। भारतीय क्रिकेट के हालिया सफल दौर (2019–2026) का उल्लेख करते हुए शाह ने टी20 वर्ल्ड कप जीत को ऐतिहासिक पल बताया और इसे डॉक्यूमेंट करने के लिए स्पोर्ट्स मीडिया की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा, स्पोर्ट्स की ग्रोथ स्टेकहोल्डर्स के बीच सहयोग पर निर्भर करती है। फ़ेडरेशन, कॉर्पोरेट्स, एथलीट्स और मीडिया को मिलकर एक मजबूत इकोसिस्टम बनाना चाहिए।

हीरो मोटोकॉर्प के संजय भान ने कॉर्पोरेट्स की बढ़ती भूमिका पर ज़ोर दिया और कहा कि वे सिर्फ स्पॉन्सर नहीं, बल्कि खेल के विकास में सक्रिय रूप से निवेश कर रहे हैं। सोनी स्पोर्ट्स के नेविल बस्तावाला ने मीडिया की अहमियत बताई और कहा कि स्टोरीटेलिंग और ब्रॉडकास्टिंग से एथलीट्स और फैंस में विश्वास और प्रेरणा पैदा होती है।

बांग्लादेश से हार के बाद कामरान अकमल ने पीसीबी अध्यक्ष पर कसा तंज

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम का खराब प्रदर्शन लगातार जारी है। विश्व कप में असफलता के बाद पाकिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में भी हार का सामना करना पड़ा और सीरीज 2-1 से गंवा दी। रविवार को ढाका में खेले गए तीसरे वनडे में पाकिस्तान की हार ने टीम को आलोचनाओं के केंद्र में ला दिया।

पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम की स्थिति पर तीखी टिप्पणी की और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि

पाकिस्तान की हालत इतनी खराब हो गई है कि नीदरलैंड जैसी टीम भी उसे हरा सकती है। कामरान ने कहा, खुदा के लिए पाकिस्तान क्रिकेट के बारे में सोचिए। आपने अपने क्रिकेट का मजाक बना दिया है।

इसके अलावा कामरान अकमल ने नकवी पर तंज कसते हुए सवाल किया कि क्या अब आईसीसी ट्रॉफी चोरी करके लाने का इरादा है। यह आरोप एशिया कप 2025 के फाइनल से जुड़ा है, जब भारत ने पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता था और भारतीय खिलाड़ियों ने ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। उस समय नकवी ट्रॉफी लेकर चले गए थे, जिसके बाद से उन पर ट्रॉफी चोरी के आरोप लगते रहे हैं।

टी20 विश्व कप 2026 में सुपर-8 चरण में खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान बांग्लादेश पहुंचा था, लेकिन पहले और तीसरे वनडे गंवाकर सीरीज हार गया।

हार्दिक को दिखाना होगा अपना बेस्ट गेमः हरभजन

नयी दिल्ली। टाटा आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस हार्दिक पंड्या की कप्तानी में मैदान में उतर रही है। पिछले पांच वर्षों से ट्रॉफी के सूखे को खत्म करना और लीग के इतिहास में सबसे सफल फ्रेंचाइजी बनना टीम का लक्ष्य है। जियो हॉटस्टार के शो 'गेम प्लान' नो योर टीम' में हरभजन सिंह और आकाश चोपड़ा ने पंड्या से आगे बढ़कर टीम की अगुवाई करने की अपील की। हरभजन ने कहा कि हार्दिक को अपना बेस्ट गेम दिखाना होगा, न केवल बल्लेबाजी बल्कि गेंदबाजी में भी। उन्होंने कहा, जब कप्तान आगे बढ़कर खेल दिखाता है, तो बाकी टीम भी उसका अनुसरण करती है। अगर हार्दिक और उनकी टीम शुरुआत से ही छठी बार ट्रॉफी जीतने के इरादे से उतरे, तो परिस्थितियां तेजी से बदल सकती हैं।

हरभजन ने बताया कि रयान रिकल्टन और क्विंटन डी कॉक में से केवल एक ही ओपनिंग में खेल पाएंगे क्योंकि रोहित शर्मा मुख्य ओपनर होंगे। तीसरे और चौथे नंबर पर सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा बल्लेबाजी करेंगे। आकाश चोपड़ा ने विदेशी खिलाडियों के चयन में कठिनाई पर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि टीम के पास ओपनिंग के लिए लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन पसंदीदा है। रोहित शर्मा और क्विंटन डी कॉक की जोड़ी शुरुआत कर सकती है।

सबालेंका ने इंडियन वेल्स में जीता खिताब

कैलिफ़ोर्निया। एक पपी लेना, सगाई करना, चैंपियनशिप पॉइंट बचाना और लंबे समय से इंतज़ार किए जा रहे इंडियन वेल्स का खिताब जीतना ङ्क यह एक ऐसा हफ़्ता रहा जिसे दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका पूरी जिदगी याद रखेंगी।

सबालेंका ने जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन के फ़ाइनल में एलेना रायबाकिना के हाथों मिली हार के बुरे अनुभवों को पीछे छोड़ते हुए, कज़ाख खिलाड़ी पर 3-6 6-3 7-6 (8-6) से जीत हासिल की।

कैलिफ़ोर्निया की चिलचिलाती धूप में दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को अपनी पूरी ताक़त लगाने पर मजबूर कर दिया, जब तक कि सबालेंका ने टाई-ब्रेक में बाज़ी नहीं मार ली ङ्क जिसमें एक ज़ोरदार बैकहैंड विनर के साथ चैंपियनशिप पॉइंट बचाना भी शामिल था। सर्विस विनर के साथ जीत पक्की करने के बाद, सबालेंका ने अपना सिर बर्फ़ से भरे कूलर में डुबोकर जीत का जश्न मनाया। बेलारूस की सबालेंका ने कहा, क्या हफ़्ता रहा। एक पपी मिला, सगाई हुई और एक खिताब जीता ङ्क मैं इसे निश्चित रूप से अपनी पूरी जंदिगी याद रखूँगी।यह सचमुच टेनिस का स्वर्ग है और मुझे यहाँ आकर हमेशा खुशी होती है। भगवान का शुक्र है कि आखिरकार मुझे यह ट्रॉफी मिल ही गई। यह सब कुछ है, यह एक सपना है। साल की शुरुआत में ग्रैंड स्लैम में मिली निराशा के बाद सबालेंका ने कुछ समय के लिए प्रतिस्पर्धी मुकाबलों से दूर रहने का फैसला किया था, और ऐसा लगता है कि उनका यह फैसला रंग लाया है। पिछले दो हफ्तों में उन्होंने कुछ ज़बरदस्त प्रदर्शन किए हैं और एक ऐसे प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ भी उन्होंने ज़बरदस्त दबाव का सामना किया, जिसके खिलाफ उन्हें अक्सर संघर्ष करना पड़ता है।

27 वर्षीय इस खिलाड़ी को फाइनल में रायबाकिना के खिलाफ अपने पिछले पांच मुकाबलों में से चार में हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन उन्होंने पूरी हिम्मत दिखाते हुए इस साल की अपनी दूसरी ट्रॉफी जीत ली। हालांकि, सबालेंका को सिर्फ रायबाकिना के खिलाफ ही संघर्ष नहीं करना पड़ा है; उनके पिछले 10 फाइनल मुकाबलों में से छह में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। इंडियन वेल्स में फाइनल में सबालेंका के पिछले दो मुकाबले भी हार के साथ ही खत्म हुए थे – 2023 में उन्हें रायबाकिना ने हराया था और पिछले साल मिरा एंड्रीवा ने।

बापूजी मेमोरियल ऑल इंडिया मास्टर्स कप क्रिकेट 19 मार्च से

भोपाल। स्वर्गीय कैलाश नारायण सारंग मेमोरियल 9वीं ऑल इंडिया मास्टर्स कप (वेटरन) क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 19 मार्च से ओल्ड चैंपियन खेल मैदान पर किया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन स्पोर्ट्स एज, आशीर्वाद सामाजिक कल्याण एवं विकास समिति तथा विश्वास सारंग क्रिकेट अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

आयोजन सचिव योगेन्द्र व्यास ने बताया कि इस वर्ष प्रतियोगिता में भोपाल सहित अन्य शहरों की टीमें भी हिस्सा लेंगी। भोपाल की चार टीमों के अलावा ग्वालियर, विदिशा, इंदौर और जबलपुर की टीमों ने भागीदारी के लिए अपनी सहमति दी है। प्रतियोगिता का पहला मुकाबला वेटरन वर्ग में ग्वालियर और विदिशा की टीमों के बीच खेला जाएगा।

प्रतियोगिता के साथ विभागीय और कॉरपोरेट वर्ग की क्रिकेट स्पर्धाएं भी आयोजित की जा रही हैं। इन दोनों वर्गों में पांच-पांच टीमें हिस्सा लेंगी। विभागीय वर्ग में डीजीपी-11, पुलिस लाइन, पोस्टल, नगर निगम कमिश्नर-11 और माखनलाल विश्वविद्यालय की टीमें शामिल होंगी। वहीं कॉरपोरेट वर्ग में गिल्ट फ्री, शेडो हॉक्स और सुपरहीटर जैसी टीमों ने अब तक अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता का उद्देश्य खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के साथ-साथ खिलाड़ियों के बीच खेल भावना और आपसी सहयोग को बढ़ावा देना है। इस आयोजन में शहर के खेल प्रेमियों के बड़ी संख्या में उपस्थित रहने की संभावना है।

स्पेशल खबर कर्नाटक के किशन आर ने पुरुष वर्ग में दूसरा नेशनल खिताब हासिल किया, वहीं प्रीमल जे ने महिलाओं के वर्ग में कर्नाटक का 15 साल का इंतजार खत्म किया

किशन आर और प्रीमल जे ने जीते एआरसी नेशनल टेनपिन बॉलिंग चैंपियनशिप के खिताब

- किशन आर ने पुरुष वर्ग में दूसरा नेशनल खिताब जीता।
- प्रीमल जे ने महिलाओं के वर्ग में पहला नेशनल खिताब हासिल किया।
- चैंपियनशिप बेंगलुरु के चर्च स्ट्रीट अमीबा में संपन्न हुई।
- पुरुषों और महिलाओं में कुल पिनफॉल के आधार पर खिताब तय हुए।
- कर्नाटक ने दोनों वर्गों में विजेता देकर गौरव बढ़ाया।

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व नेशनल चैंपियन किशन आर ने एआरसी 34वीं नेशनल टेनपिन बॉलिंग चैंपियनशिप के पुरुषों के वर्ग में अपना दूसरा नेशनल खिताब जीता। यह चैंपियनशिप सोमवार को यहां चर्च स्ट्रीट स्थित अमीबा में संपन्न हुई।

महिलाओं के वर्ग में, कर्नाटक की प्रीमल जे ने अपना पहला नेशनल खिताब जीता, जिससे इस वर्ग में कर्नाटक का 15 साल का इंतजार खत्म हो गया।

दो गेमों के कुल पिनफॉल के आधार पर खेले गए चैंपियनशिप मैच में, टॉप सीड किशन आर ने शांत और संयमित प्रदर्शन करते हुए पहले गेम में 17 पिन की बढ़त बना ली (208 ङ्क 191)। उन्होंने दूसरे गेम में अपनी बढ़त को और बढ़ाया, जिसमें उन्होंने 244 का हाई स्कोर बनाया, जबकि आकाश ने 238 बनाए। इस तरह उन्होंने कुल 23 पिनों के अंतर से खिताब अपने नाम कर लिया (452– 429)।

इससे पहले दिन में, पुरुषों के वर्ग के स्टेपलैडर राउंड के पहले मैच में, तीसरी सीड आकाश अशोक कुमार (358) ने चौथी सीड शनमुगनंदा (308) को 50 पिनों से हराया। इसके बाद आकाश ने अगले मैच में भी अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी, जिसमें उन्होंने 476 का स्कोर बनाकर दूसरी सीड ध्रूव सरदा (374) को 102 पिनों से हराया और फाइनल में जगह बनाई।

चैंपियनशिप मैच में, चौथी सीड प्रीमल जे ने पहले गेम में ही 20 पिनों की शुरुआती बढ़त बना ली। उन्होंने 188 का स्कोर किया, जबकि टॉप सीड सबीना अथिका (तमिलनाडु) ने 168 का स्कोर किया। दूसरा गेम काफी करीबी होने के बावजूद, प्रीमल ने अपना संयम बनाए रखा और जीत हासिल की। उन्होंने 24 पिनों के अंतर से अपना पहला नेशनल खिताब जीता (332 ङ्क 308)।

इससे पहले दिन में, महिलाओं के वर्ग के स्टेपलैडर राउंड के पहले मैच में, चौथी सीड प्रीमल जे (357) ने तीसरी सीड शबीना कासमानी (महाराष्ट्र) (338) को 19 पिनों से हराया। इसके बाद उन्होंने दूसरी वरीयता प्राप्त अनुकृति बिश्नोई (हरियाणा) को 422–409 के स्कोर से पीछे छोड़ते हुए, 13 पिनों के अंतर से जीत दर्ज की और फाइनल में जगह बनाई।

विशेष पुरस्कार

सबसे होनहार खिलाड़ी- अनिरुधन संजीवी (तमिलनाडु) और सुचिता एस कुमार (केरल)। पुरुषों के वर्ग में 225 से अधिक के सर्वाधिक स्कोर- किशन आर (कर्नाटक) (11)। महिलाओं के वर्ग में 200 से अधिक के सर्वाधिक स्कोर- सबीना अथिका (तमिलनाडु) (4)। पुरुषों के वर्ग में 6 खेलों का सर्वोच्च ब्लॉक- किशन आर (कर्नाटक) (1369 पिन)। महिलाओं के वर्ग में 6 खेलों का सर्वोच्च ब्लॉक- सबीना अथिका (तमिलनाडु) (1122 पिन)।